पर्यावरण शिक्षा शिक्षक का उत्तरदायित्व
(Responsibilities of Environmental Teacher)

पर्यावरण शिक्षा शिक्षक का कार्य बहुत ही नाजुक होता है। उसे अपने उत्तरदायित्वों के निर्वाह के लिए सतत् उच्चस्तरीय गोष्ठियों का आयोजन तथा छात्रों के माता-पिता तथा समुदाय का सहयोग प्राप्त करना होगा। अध्यापक के उत्तरदायित्व को निम्न प्रकार उल्लेखित किया जा सकता है–

- उसे अपने विषयों को पढ़ाते समय पर्यावरण से सम्बन्धित करना चाहिए।
- उसे प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति सचेत/जागरूक तथा कुल पर्यावरण से सम्बन्धित समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
- अध्यापक को अपुनर्नव्य (Non renewable) पर्यावरणीय संसाधनों के प्रति सजगता उत्पन्न करनी चाहिए।
- उसे सम्पूर्ण पर्यावरण तथा इससे सम्बन्धित समस्याओं को प्राथमिक रूप से हल करने के लिए सहायता करनी चाहिए।
- अध्यापक का खेल पद्धति (play way), तकनीकी (technique) द्वारा पारिस्थैतिक सन्तुलन को समझाना चाहिए।
- उसे छात्रों में सामाजिक मूल्यों का मतलब (सम्बन्ध) तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- उसे खेल तथा पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी कार्यकलापों का आयोजन करना चाहिए।
- प्रत्येक व्यक्ति में पर्यावरणीय समस्याओं का हल करने का कौशल विकसित करने में सहयोग करना चाहिए।
- जीव-जन्तु, अजायबघरों, राष्ट्रीय पार्कों, प्रदूषित क्षेत्रों, प्रदूषित झीलों, नदियों तथा कारखानों से निकलने वाले अपशिष्टों के उत्सर्जन आदि को दिखाने के लिए भ्रमण-कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए।
- उसे छात्रों में पर्यावरणीय उपायों तथा पारिस्थैतिकी, सामाजिक तथा सौंदर्यात्मक घटकों का मूल्यांकन करने में सहायता करनी चाहिए।
- अध्यापक को छात्रों में उत्तरदायित्व वहन करने के विचारों को बढ़ावा देना चाहिए तथा इनकी समस्याओं के तुरन्त निवारण के लिए उचित कार्यवाही में सहायता करनी चाहिए।
- उसे सजीव वस्तुओं की अन्यान्याश्रिता का ज्ञान कराना चाहिए। इसके साथ-साथ समाज की आवश्यकताओं के बीच सम्बन्ध एवं पर्यावरण के साथ अन्तःक्रिया का ज्ञान करना चाहिए।
- अध्यापक का दायित्व है कि वह सामान्य शिक्षण कार्यकलाप के साथ-साथ पर्यावरण के बिन्दुओं का भी विवेचन करे जिससे उसे पर्यावरण के संसाधनों के महत्व का ज्ञान हो सके।

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner

- जैसे प्रत्येक व्यक्ति वैसे ही अध्यापक को भी अपने पाठ्यक्रमों में पोषणीय विकास के सिद्धान्त से जोड़ने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसरों के चालित करने का उत्तरदायित्व शिक्षकों पर ही है।
- वे स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग ले सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके प्रयास सांस्कृतिक परिदृश्य को भी सम्मिलित करने के प्रति विश्वास हो।
- वे सामान्य रूप में व्यक्ति में नवीनता लाने में शैक्षिक अनुभवों को प्रयोग में लाने का प्रयास करें।
- वे कार्यशालाओं तथा गोष्ठियों में भाग ले सकते हैं ताकि वे धारक विकास जैसे विचारों/संकल्पनाओं के शिक्षण में विकसित सूचनाओं तथा सम्प्रेषण तकनीकियों को खोजने में सहायता पहुँचा सके।
- वे स्वयं पर सफल प्रयासों को जाग्रत कर सके जिससे कक्षा एक समुदाय के लिए 'धारकता का प्रतिरूप' प्रस्तुत कर सके।
- उच्च शिक्षा में कार्य करने वाले व्यावसायिक व्यक्ति अन्तर्विषयी समन्वित तरीकों को खोजते हुए नवीन कार्यक्रमों के द्वारा बहुत ही निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ-साथ स्नातक तथा पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों में व्यवस्थित आयाम का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- उच्च शिक्षा के संस्थानों में काम करने वाले अध्यापकों को नयी पीढ़ी के शिक्षकों को प्रशिक्षित करना चाहिए क्योंकि ये अपने छात्रों में सृजनात्मक चिन्तन तथा निर्णय लेने की प्रेरणा को भरने में अधिक प्रभावी होंगे।
- विश्वविद्यालीय स्तर पर शोधों के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा के शिक्षकों को विभिन्न विषयों के बीच विद्यमान अवरोधों को तोड़कर अपने शिक्षण को सजीव बनाना चाहिए।
- उन्हें अपने साथियों को शोध तथा शिक्षण कार्य में लगाने के लिए अवसर खोजना चाहिए।
- उसे समुदाय में दीर्घकालीन योजना की प्रक्रिया को बनाने में सहायता करनी चाहिए, जिससे वे धारक विकास के अभ्यास को दृष्टिगत कर सकें, जो सम्पूर्ण दशाओं में उपयुक्त हो।
- छात्रों में पर्यावरण की समस्याओं के प्रति रुचि पैदा करनी चाहिए और उनको पर्यावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना चाहिए।
- व्यक्तियों में पर्यावरण के प्रति सजगता उत्पन्न करने के लिए गाँवों में बैठकें होनी चाहिए।
- पर्यावरण से सम्बन्धित प्रयोजनाओं को चलाने के लिए छात्रों को प्रेरित करना चाहिए।
- छात्रों में अच्छी आदतें पैदा करनी चाहिए।

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner

- छात्रों में शारीरिक कार्य करने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना चाहिए।
- स्थानीय उपलब्ध संसाधनों के आधार पर पर्यावरण के अजायबघर बनाने चाहिए।
- छात्रों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- आश्वस्त होना चाहिए कि छात्र स्वच्छ दशा से हरित कार्यक्रमों में सहभागिता करें।

Scanned by TapScanner
Scanned by TapScanner